

डालडा व केमिकल से बनाते थे नकली सरस घी, 5 साल से चल रही थी फैक्ट्री

News - भास्कर न्यूज | कोटपूतली/जयपुर कोटपूतली और सरुंड में सोमवार देर शाम भारी मात्रा में नकली सरस घी बनाने की फैक्ट्री...

Nov 26, 2019, 08:45 AM IST



शुद्ध के लिए युद्ध-1 • शहर की दुकानों से भास्कर टीम ने उठाए सैंपल... 7 रिपोर्ट में मिले ज्ञानलेवा मेटल-केमिकल मिठाई पर लगे चांदी वरक में 99% तक एल्युमिनियम त्पाटे ांने ताली टार्ट से लाल हो रही द्वागी पिर्न



नकली सरस घी की फैक्ट्री



भास्कर न्यूज | कोटपूतली/जयपुर

कोटपूतली और सरुंड में सोमवार देर शाम भारी मात्रा में नकली सरस घी बनाने की फैक्ट्री पकड़ी गई। पुलिस ने विभाग के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई की। भोजावास क्षेत्र में डालडा, रिफाइंड तेल में केमिकल व एसेंस मिलाकर नकली सरस घी तैयार किया जा रहा था। घी बनाने से लेकर उसे पैक करने का पूरा सामान बरामद किया गया है। यह फैक्ट्री पिछले पांच साल से चल रही थी। यहां से रोजाना कम से कम 300 किलो नकली घी सप्लाई हो रहा था। इसे बाजार व शादी समारोह में भेजा जाता था। छापे के बाद पुलिस ने स्वास्थ्य विभाग के अफसरों को बुलाया और आरोपित को गिरफ्तार कर बड़ी मात्रा में सरस घी बनाने की कच्ची सामग्री व उपकरण जब्त किए। जयपुर ग्रामीण एसपी शंकर दत्त शर्मा ने एसएचओ सुभाष चंद यादव, कांस्टेबल तेजराम, रविन्द्र, दिनेश, गिरवर सिंह, मनोज कुमार, राजेन्द्र कुमार व शेरसिंह को पुरस्कृत करने की घोषणा की।

मकान मालिक ओडिशा में, यहां चल रही थी फैक्ट्री

ये सामान जब्त किया..

ऐसे काम कर रहा था रैकेट

आरोपित धंशीराम वर्ष 2014 से ही नकली घी बनाने का कार्य कर रहा है। वह सरस घी का पीपा 6800 रु. के बजाए मात्र 2000-2500 रु. में बेचता था। ऐसे में हलवाई व व्यापारी शादी समारोह में काम आने वाले देशी घी में कुछ मात्रा में इस नकली घी का भी कमीशन के लालच में उपयोग करते थे।

1. कोटपूतली में 51 किलो नकली घी जब्त 2. बस्सी में 80 क्विंटल मिलावटी हल्दी, 18 क्विंटल मिर्च पकड़ी

नकली सरस घी की फैक्ट्री चलाने वाला।

जयपुर डेयरी : डुप्लीकेट से बचें

पकड़ा गया आरोपी धंशीराम ग्राम भोजावास में भगवती प्रसाद शर्मा का मकान किराये पर लेकर रहता है। मकान मालिक भगवती प्रसाद कई वर्षों से ओडिशा में रह रहा है। पुलिस ने सोमवार को जब इस मकान पर छापा मारा तो वहां धंशीराम की मौजूदगी में नकली सरस घी बनाने का बड़ा कारखाना पकड़ा गया। सूचना पर डीएसपी दिनेश यादव, कोटपूतली एसएचओ नरेन्द्र कुमार भारी पुलिस जाब्ता सहित पहुंचकर मौका मुआयना किया।

शुद्ध के लिए युद्ध

ऑपरेशन क्लीन स्वीप

कपड़ा रंगने वाली लाल डाई से मिर्च व पीली डाई से रंगी जा रही थी हल्दी

क्राइम रिपोर्टर | जयपुर/बस्सीचक

बस्सी औद्योगिक क्षेत्र में एसएस इंडस्ट्रीज नाम से चल रही फैक्ट्री में पुलिस ने छापा मारकर करीब 80 क्विंटल मिलावटी हल्दी और 18 क्विंटल मिलावटी मिर्च पाउडर पकड़ा है। इन्हें कपड़े रंगने वाली लाल और पीली डाई मिलाकर तैयार किया जा रहा था। पुलिस कार्रवाई के बाद जनता कॉलोनी में रहने वाला फैक्ट्री मालिक संतोष कुमार गुप्ता फरार हो गया। जांच में सामने आया कि 100 किलो मिर्च बनाने के लिए फैक्ट्री मालिक 20 किलो मिर्च डालता था। 80 किलो गेहूं का चापड़ मिलाकर कपड़े रंगने वाले लाल कलर से मिर्च को लाल सुर्ख बनाकर बाजार में बेच देता था। मिलावटी मसाला बनाने के लिए अन्य राज्यों से मजदूर लाता था। फैक्ट्री मालिक सत्यनारायण गुप्ता मसाले तैयार करने वाली फैक्ट्री के सारे गेट हमेशा बंद रखता था। पास ही बंद फैक्ट्री में अंदर की तरफ दीवार तोड़कर रास्ता बना लिया था।

20 साल से बेच रहे थे, 5 साल में तीसरा छापा

फैक्ट्री में हरकेश गुर्जर (26) बांदा उत्तर प्रदेश का तथा मैनपुरी यूपी निवासी गिरीश चंद यादव (28) मिलावटी मसाला बनाते मिले। फरार फैक्ट्री मालिक संतोष कुमार गुप्ता हाल निवासी मोहनपुरा, जयपुर की जनता कॉलोनी में रहता है।

भास्कर चेताता रहा है- डाई मिला रहे हैं मिलावटिए

12 अप्रैल को भास्कर में प्रकाशित खबर। लेकिन फिर भी विभाग की नौद नहीं खुली।

पुलिस ने फैक्ट्री से दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया। एसएस इंडस्ट्रीज फैक्ट्री का मालिक करीब 20 साल से मसाले का कारोबार कर रहा है। पुलिस को मौके पर एसएस इंडस्ट्रीज फैक्ट्री में 80 क्विंटल हल्दी, 18 क्विंटल मिर्च, 4.5 क्विंटल गरम-मसाले, 7.5 क्विंटल गेहूं की चापड़ अखाद्य रंग केमिकल, 51 कार्टून एक्सपायरी डेट के केच कंपनी के तेल के पीपे, 4 पीपे सरसों तेल के भरे हुए मिले। मिर्च के अंदर लकड़ी का बुरादा, गेहूं का चापड़ व लाल कलर का केमिकल मिलाकर तैयार किया जा रहा था। इसी तरह धनिया में गठिया बाजरे के आटे व लकड़ी के बुरादे में हरा रंग मिलाकर तैयार किया जा रहा था।

Source: <https://www.bhaskar.com/news/rajasthan-news-fake-saras-ghee-was-made-from-dalda-and-chemical-factory-was-in-operation-for-5-years-084515-6026241.html>